खबर संक्षेप

पुलिस की कार्यवाही अवैध शराब जप्त

शहडोल। जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।अभियान के अंतर्गत 9 अगस्त 2025 को गोहपारू में पुलिस टीम ने छापेमारी कर 6 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त की। पुलिस के अनुसार यह शराब बिक्री के उद्देश्य से आरोपियों के पास रखी गई थी। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 600 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान के दौरान ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाएगी और अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के प्रयास जारी रहेंगे।

निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों का पारिश्रमिक किया दोगुना

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों का पारिश्रमिक दोगुना करने का बड़ा फैसला लिया है। साथ ही बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है। आयोग ने पहली बार निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (एईआरओ) को भी मानदेय देने का निर्णय किया है।लोकतंत्र की नींव मजबूत करने का प्रयासनिर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि शुद्ध मतदाता सूचियां लोकतंत्र की बुनियाद हैं। मतदाता सूची तैयार करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षक और बीएलओ निभाते हैं, जिनकी मेहनत से सटीक और पारदर्शी मतदाता सूचियां तैयार होती हैं।बीएलओ का पारिश्रमिक दोगुनाबीएलओ की वार्षिक पारिश्रमिक राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दी गई है। मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बीएलओ को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि भी 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी गई है।पर्यवेक्षकों और अधिकारियों को बढ़ा भत्ताबीएलओ पर्यवेक्षकों का पारिश्रमिक 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये किया गया है। इसके अलावा, अब ईआरओ को 30 हजार रुपये और एईआरओ को 25 हजार रुपये का मानदेय मिलेगा। इससे पहले इन्हें कोई मानदेय नहीं दिया जाता था।चुनाव कर्मियों की प्रतिबद्धता का सम्माननिर्वाचन आयोग के अनुसार यह निर्णय उन चुनाव कर्मियों की प्रतिबद्धता को सम्मानित करता है, जो क्षेत्रीय स्तर पर सटीक मतदाता सूचियां बनाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं। यह कदम उनके कार्य का उचित सम्मान और प्रोत्साहन सुनिश्चित करेगा।

सालों से हो रही सौंसर में केंद्रीय विद्यालय शुरू करने की मांग

सौंसर। सौसर में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग शासन प्रशासन सरकार एवं जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र वासियों के द्वारा वर्षों से की जा रही है बावजूद इसके केंद्रीय विद्यालय खुलने को लेकर किसी प्रकार की कोई प्रशासनिक कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। नवनिर्मित पांढुर्ना जिले का कृषि,मध्यम ,गरीब बाहुल्य संतारांचल क्षेत्र सौसर वन एवं खनिज संपदा से सम्पन्न होने के साथ राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक रूप से विकासशील व सजग है।

गंदगी के बीच इलाजः शहडोल मेडिकल कॉलेज में मरीज और परिजन बेहाल

नल पर मवेशी, खुले में नहाना-पीना, कचरे के बीच गुजर रही रातें, अधिकारियों के दौरों के बाद भी जस की तस हालत, परिजनों की सुध लेने वाला कोई नहीं

मेडिकल कॉलेज की बदहाल व्यवस्था मरीजों और उनके परिजनों के लिए दोहरी मुसीबत बन चुकी है। खुले में नहाना, गंदा पानी पीना और कचरे के बीच भोजन बनाना यहां रोजमर्रा की मजबूरी है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के प्रभार वाले इस जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति देखकर लोग हैरान हैं, जबकि अधिकारियों के दौरों के बावजूद हालात जस के तस हैं।

शहडोल।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे आदिवासी बहुल्य शहडोल संभाग का मेडिकल कॉलेज, जो कभी आदिवासी समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का वरदान माना गया था, अब उनके लिए एक अभिशाप की तरह साबित हो रहा है। यहां की बदहाल और अव्यवस्थित स्थिति न केवल मरीजों की परेशानी बढ़ा रही है बल्कि उनके परिजनों को भी नारकीय हालात में जीने पर मजबूर कर रही है।गंदे पानी और कचरे के बीच जिंदगीमेडिकल कॉलेज परिसर में एक ही स्थान पर नहाना, कपड़े धोना और पीने का पानी भरना परिजनों की मजबूरी बन चुका है। नल के आसपास कचरे का ढेर, खुले में पड़ी उपयोग की गई सिरिंज, डिस्पोजल और मल की बदबू के बीच महिलाएं व पुरुष नहाते हैं। इस जगह मवेशी भी पानी पीते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। नल का पानी भी साफ नहीं है, जिसके कारण कई लोग एक किलोमीटर दूर स्थित हैंडपंप से पानी लाने को मजबूर हैं।खुले आसमान के नीचे भोजन की मजबूरीमरीजों के परिजनों के लिए अस्पताल में किसी भी प्रकार की रहने या भोजन पकाने की सुविधा नहीं है। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने एक सड़क को ब्लॉक कर उसे परिजनों के लिए अस्थायी ठिकाना और पार्किंग बना दिया है। यहीं खुले आसमान के नीचे चूल्हा-चौका चलता है। बरसात में हालात और भी बिगड़ जाते हैं, जब पानी गिरने से पका हुआ भोजन खराब हो जाता है या बन ही नहीं पाता। भोजन पकाते समय मरीजों को देखने वाला कोई नहीं होता और जब वे मरीज के पास जाते हैं तो मवेशी उनके खाने को खराब कर देते हैं।छात्र और स्टाफ भी परेशानयह समस्या केवल मरीजों और उनके परिजनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मेडिकल कॉलेज के छात्र और स्टाफ भी पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। साफ पानी की मांग को लेकर छात्रों ने डीन को ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन प्रबंधन ने मांग रखने वाले छात्रों को नोटिस थमा दिया। इस कार्रवाई के बाद अब कोई भी छात्र अपनी परेशानी खुलकर बताने को तैयार नहीं है।अस्पताल परिसर में कचरे का साम्राज्यमेडिकल कॉलेज का दृश्य ऐसा है मानो यहां शहर का सारा कचरा इकट्ठा कर दिया गया हो। गेट से लेकर वार्डों के भीतर तक जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। मरीज और उनके परिजन गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। संक्रमण फैलने का खतरा हमेशा बना रहता है, लेकिन सफाई व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।जिम्मेदारों के दौरे बेअसरमेडिकल कॉलेज का प्रभार स्वयं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के पास है। प्रभारी मंत्री, कमिश्नर और कलेक्टर कई बार कॉलेज का दौरा कर चुके हैं, लेकिन जमीनी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। परिजन बताते हैं कि समस्याएं सालों से जस की तस बनी हुई हैं और अब यह मान लिया गया है कि यहां हालात नहीं बदलने वाले।परिजनों की आपबीतीअस्पताल में भर्ती मरीज के एक परिजन ने बताया, ₹जब हम सड़क पर भोजन बनाते हैं तो पानी गिरने पर सारा खाना खराब हो जाता है। बरसात में तो यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। नहाने और पानी भरने के लिए घंटों कतार में खड़े रहना पड़ता है और तब भी साफ पानी नहीं मिलता।₹सुधार की उम्मीद धुंधलीस्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बने इस मेडिकल कॉलेज की वास्तविक स्थिति देखकर लगता है कि प्रशासन की प्राथमिकताओं में यहां के मरीज और उनके परिजन नहीं हैं। सुविधाओं के नाम पर कागजी वादे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर केवल गंदगी, अव्यवस्था और मजबूरी ही दिखती है।

ट्रेनों और बसों में भारी भीड़, यात्रियों की बढ़ी परेशानी, रक्षाबंधन पर घर लौटने की होड़, स्टेशन और सड़कों पर उमड़ी भीड़

शहडोल। रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही शहडोल रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। पिछले दो दिनों से स्थिति यह है कि ट्रेनों और बसों में सीट मिलना मुश्किल हो गया है। विशेषकर दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले यात्री घंटों इंतजार करने के बाद भी किसी तरह खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं। वहीं, निजी वाहनों और ऑटो रिक्शा की संख्या भी सड़कों पर पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक दबाव में इजाफा हो गया है।यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन पर अपने घर पहुंचने के लिए लोग पहले से ही टिकट बुक कर रहे हैं, लेकिन अचानक बढ़ी भीड़ के कारण रिजर्वेशन न मिलने से उन्हें सामान्य डिब्बों में सफर करना पड़ रहा है। स्टेशन पर पहुंचते ही भीड़ के कारण ट्रेन में चढ़ना-उतरना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो गाड़ियों में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है।बस स्टैंड पर भी नजारा कुछ ऐसा ही है। समर्थ स्टैंडर्ड बस स्टैंड पर लगातार यात्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। लंबी दूरी की बसों में खड़े होकर सफर करना आम बात हो गई है। कई यात्री तो छत पर बैठकर भी यात्रा कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि बस संचालकों ने भीड़ को देखते हुए कई अतिरिक्त बसें चलाई हैं, लेकिन मांग के मुकाबले संख्या अभी भी कम है।सड़क यातायात पर भी पर्व का असर साफ नजर आ रहा है। निजी चारपहिया और दोपहिया वाहनों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी से शहर की मुख्य सड़कों पर जाम जैसी स्थिति बन रही है। ट्रैफिक पुलिस लगातार वाहनों को नियंत्रित करने की कोशिश में जुटी है, लेकिन पीक ऑवर्स में जाम की समस्या बनी हुई है।यात्री वर्ग का कहना है कि पर्व के दौरान रेल और बस सेवाओं में अतिरिक्त गाड़ियां और फेरी ट्रिप्स चलाई जानी चाहिए, ताकि लोगों को आराम से सफर करने का मौका मिल सके। वहीं, स्टेशन और बस स्टैंड प्रबंधन के अनुसार वे भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती कर रहे हैं और यात्रियों से धैर्य बनाए रखने की अपील कर रहे हैं।रक्षाबंधन पर घर लौटने की यह होड़ केवल यातायात साधनों में ही नहीं, बल्कि शहर के बाजारों में भी रौनक लेकर आई है। राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर महिलाओं और बच्चों की भीड़ देखी जा सकती है। बाजारों में पहले से ही सामान की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इससे खरीदारों का उत्साह कम नहीं हुआ है।यात्रियों का कहना है कि चाहे कितनी भी परेशानी झेलनी पड़े, लेकिन रक्षाबंधन पर बहनों की कलाई पर राखी बांधने और परिवार संग समय बिताने की खुशी इन मुश्किलों से कहीं अधिक है। पर्व की यही भावना भीड़ और अव्यवस्था के बीच भी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बनाए रखती है।

विशेष न्यायाधीश ने ग्रामीणों को दी कानूनी जानकारी, न्यायालय की योजनाओं से कराया अवगत

सिंहपुर में विधिक साक्षरता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

शहडोल।

जिला न्यायालय के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में ग्राम सिंहपुर में एक दिवसीय विधिक साक्षरता प्रशिक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डिस्ट्रिक्ट लीगल ऑफिसर देवेंद्र परस्ते के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश सुभाष सोलंकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने ग्रामीण जनों को विधिक अधिकारों, न्यायालय द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं और उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया।ग्रामीणों में बढ़ी कानूनी जागरूकता विशेष न्यायाधीश सुभाष सोलंकी ने कहा कि विधिक साक्षरता का उद्देश्य आमजन को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देना है, ताकि वे अन्याय या शोषण की स्थिति में कानून की मदद ले सकें। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है और इसके लिए विभिन्न स्तरों पर योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों ने इस दौरान न्यायालय की पहल की सराहना की और कानूनी विषयों से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान मौके पर किया गया।सामूहिक वृक्षारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेशकार्यक्रम के अंतर्गत थाना सिंहपुर में वृक्षारोपण का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश सुभाष सोलंकी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, पुलिसकर्मी और ग्रामीणों ने मिलकर पौधारोपण किया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण को बढ़ावा देना रहा। वृक्षारोपण में पैरा लीगल वालंटियर प्रकाश राव, सिंहपुर बीट के रेंजर राम नरेश विश्वकर्मा, थाना प्रभारी राजेंद्र तिवारी, ग्राम पंचायत के सभी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।जनसहभागिता बनी कार्यक्रम की विशेषताइस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता रही कि इसमें ग्रामीणों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सक्रिय भागीदारी दी। सभी ने इस पहल को गांव के विकास और जन-जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि विधिक साक्षरता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी समय की आवश्यकता है, और दोनों ही क्षेत्रों में सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

हर्षोल्लास और आस्था का प्रतीक कजलियां पर्व संपन्न

शहडोल।

सावन की हरियाली और वर्षा ऋतु की सुगंध के बीच, शहडोल जिले के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में मनाया जाने वाला कजलियां पर्व इस वर्ष भी हरसोलस के साथ संपन्न हुआ। परंपरा, आस्था, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत के इस अद्वितीय उत्सव में ग्रामीणों ने न सिर्फ प्रकृति का आभार व्यक्त किया, बल्कि आपसी मेलजोल और प्रेम का संदेश भी दिया। इस अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आशीष शर्मा की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई।आदिवासी संस्कृति की अमूल्य पहचानकजलियां पर्व स्थानीय आदिवासी समुदाय की सदियों पुरानी परंपरा है। सावन मास के दौरान, जब खेतों में नई पौधियां और हरी-भरी कोंपलें लहराने लगती हैं, तब ग्रामीणजन इन पौधों को 'कजलियां' के रूप में एकत्र करते हैं। इनका पूजन कर परिवारजन और पड़ोसियों में आपसी भेंट स्वरूप वितरित किया जाता है। यह अनुष्ठान धरती की उर्वरता और अच्छी फसल की कामना का प्रतीक है। महिलाओं द्वारा पारंपरिक गीतों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्तिमय हो उठता है, जबकि बच्चों और युवाओं में उत्साह का अलग ही रंग देखने को मिला।भाईचारे का संदेशयह पर्व सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को दृढ़ बनाने का भी अवसर है। शहडोल के विभिन्न गांवों में इस दिन मेले लगे, जहां दूर-दराज के लोग इकट्ठा होकर एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और पुराने गिले-शिकवे भुला देते हैं। कार्यक्रम में लोकनृत्य, पारंपरिक वाद्य-यंत्रों की थाप, और खेल प्रतियोगिताएं पूरे माहौल को जीवंत बनाती रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर घर-घर जाकर कजलियां भेंट कीं और सुख-समृद्धि की कामना की।प्रकृति उपासना और कृतज्ञता का अवसरकजलियां पर्व का सीधा संबंध वर्षा ऋतु और कृषि से है। ग्रामीणजन मानते हैं कि यह ऋतु धरती को नया जीवन देती है और फसलों के लिए ऊर्जा का स्रोत बनती है। कजलियां की पूजा के माध्यम से किसान ईश्वर से भरपूर वर्षा और अच्छी उपज की प्रार्थना करते हैं। कई स्थानों पर सजाए गए कजलियां पौधों को जलाशयों और नदियों में प्रवाहित करने की परंपरा भी निभाई गई। यह प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और सम्मान की आदिवासी सोच को गहराई से दर्शाता है।समापन और भविष्य की उम्मीदेंसांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कजलियां पर्व का समापन हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में हुआ। इस मौके पर आशीष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे त्योहार हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और समाज में प्रेम, सहयोग तथा एकता की भावना को बनाए रखते हैं। उन्होंने सभी को इस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ब्यौहारी बस स्टैंड पर अव्यवस्था, निजी ट्रैवल्स का वर्षों से कब्जा

मुख्य मार्ग पर बसों की पार्किंग से दिनभर जाम और दुर्घटनाओं का खतरा, प्रशासन की उदासीनता से बिगड़ी यातायात व्यवस्था

शहडोल।जिले के ब्यौहारी नगर का मुख्य बस स्टैंड लंबे समय से निजी ट्रैवल्स संचालकों के कब्जे में है, जिसके चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुकी है। दीपक ट्रैवल्स और दादू एंड ट्रैवल्स न केवल बस स्टैंड बल्कि उसके दोनों ओर स्थित स्टेट हाईवे को भी अस्थायी अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से दिनभर यातायात जाम, दुर्घटनाओं का खतरा और आम जनता की परेशानी बढ़ती जा रही है।कॉलेज की भूमि पर कब्जासूत्रों के अनुसार, वर्तमान बस स्टैंड की जमीन पीछे स्थित महाविद्यालय की है, जो राजस्व रिकॉर्ड में कॉलेज की संपत्ति के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद, वर्षों से निजी ट्रैवल्स संचालक यहां कब्जा जमाए हुए हैं। स्टैंड के भीतर अधिकतर बसें दीपक ट्रैवल्स और दादू एंड ट्रैवल्स की खड़ी रहती हैं, जबकि बाकी सरकारी और निजी बसें मुख्य सड़क पर ही यात्रियों को चढ़ाती-उतारती हैं।मुख्य मार्ग पर दिनभर जाममुख्य मार्ग पर बसों की पार्किंग के कारण दोपहिया, चारपहिया, टैक्सी और ऑटो भी सवारियां चढ़ाने-उतारने का काम वहीं करते हैं। इससे लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। भारी वाहनों और बसों के बीच फंसे छोटे वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा हर समय बना रहता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या वर्षों पुरानी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।यात्रियों के लिए खतरा और परेशानीसुबह से देर रात तक बस स्टैंड और आसपास का इलाका भीड़ और अव्यवस्था से घिरा रहता है। स्कूल-कॉलेज के बच्चों और पैदल यात्रियों को बसों के बीच से निकलना बेहद जोखिम भरा होता है।कई बार संकरी जगह में वाहन निकालते समय टक्कर की घटनाएं हो चुकी हैं। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के सामने पार्किंग से ग्राहकों को आने-जाने में दिक्कत होती है, वहीं जाम के कारण एम्बुलेंस व आपातकालीन सेवाओं को भी देर होती है।प्रशासन और नगरपालिका की चुप्पीस्थानीय लोग और व्यापारी कई बार पुलिस व नगरपालिका से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन न तो स्थायी कार्रवाई हुई और न ही वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई।लोगों का कहना है कि ट्रैवल्स संचालकों का दबदबा इतना बढ़ चुका है कि उन्होंने सड़क और सार्वजनिक जगह को स्थायी अड्डा मान लिया है।आवश्यक है सख्त कदमनगरवासियों का मानना है कि समस्या के समाधान के लिए बस स्टैंड को वास्तविक भूमि पर स्थानांतरित करना, मुख्य मार्ग पर बसों की पार्किंग पर प्रतिबंध लगाना और नियम तोड़ने वालों पर सख्त जुर्माना लगाना जरूरी है। जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक ब्यौहारी की यह अव्यवस्था आम जनता को परेशान करती रहेगी।

कामदगिरि जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य जी ने जताया शोक, समिति से की परंपरा बनाए रखने की अपील

बुढार।

कामदगिरि के जगद्गुरु श्री 1008 रामस्वरूपाचार्य जी महाराज रविवार को बुढार स्थित श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचे। उन्होंने हाल ही में स्वर्गीय श्री महंत राम बालक दास जी महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर समिति के सदस्यों से भेंटकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और दिवंगत महंत के कार्यों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव अनुकरणीय रहेगा।जगद्गुरु ने साधु शाही परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए समिति के सदस्यों से अपेक्षा जताई कि मंदिर का संचालन और धार्मिक गतिविधियां पूर्ववत एवं अनुशासित ढंग से चलती रहें। उन्होंने कहा कि राम बालक दास जी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन और सेवा भावना से प्रेरणा लेते हुए मंदिर की व्यवस्था को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी जगद्गुरु का स्वागत किया और मंदिर की निरंतर प्रगति एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण का संकल्प दोहराया। जगद्गुरु ने उपस्थित जनों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए समाज में आध्यात्मिक जागृति और एकता बनाए रखने का संदेश दिया।

खबर संक्षेप

त्यौहार के दिन बिछड़ी बेटी परिजनों से मिली

कोतमा। रक्षाबंधन के दिन जहां पूरे क्षेत्र में राखी पर्व को लेकर उत्साह नजर आ रहा था। वहीं एक 20 वर्षीय युवती अपने घर से लापता होकर कोतमा क्षेत्र में भटक रही थी। वार्ड 9 कलमुड़ी अंडरपास के पास युवती को डरे सहमे देखे जाने पर वार्ड पार्षद सहित समाजसेवी शेख साजिद के द्वारा सूचना थाना प्रभारी को दी गई। हंड्रेड डायल टीम तत्काल युवती को थाने लाकर पता तलाश में जुट गई। डरीवश युवती से ज्यादा जानकारी ना मिलने पर थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल द्वारा आस पास के थानो क्षेत्र में सूचना देकर बिजुरी की होना पाया। पुलिस टीम के द्वारा युवती को सकुशल उसके घर ले जाकर परिजनों से मिलाया। त्यौहार के दिन बेटी को पाकर परिजनों में खुशी उमड़ पड़ी।

थाना परिसर हनुमान मंदिर में होगा अखण्ड मानस

कोतमा। थाना परिसर हनुमान मंदिर में दो दिवसीय अखंड मानस पाठ एवं रामचरित रामायण किया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा तैयारियां जोरों से की जा रही है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि सोमवार से विधि विधान से पूजन स्थापना उपरांत मानस पाठ प्रारंभ होगा जो की 24 घंटे तक अनवरत अखंड मानस पाठ किए जाने के बाद मंगलवार को आरती, हवन के बाद भंडारा प्रसाद वितरण किया जाएगा। थाना प्रभारी ने नगर एवं आसपास के क्षेत्र के सभी धार्मिक जनों से अखंड मानस पाठ में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। धार्मिक आयोजन को लेकर साफ सफाई करने के साथ आकर्षक लाइटिंग करते हुए मंदिर को सजाया जा रहा है । पूरे नगर में लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान को सफल बनाए- हीरा सिंह श्याम'

अनूपपुर। आजादी के अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने आह्वान किया है सभी जिला वासी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करे। यह अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। सभी लोग सेल्फी विथ तिरंगा लेकर लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य करे, यह देश के लिए गौरव की बात है। हीरा सिंह श्याम ने कहा कि हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान को लोग वार्ड, नगर व गांव-गांव जे घर-घर में पहुँचकर तिरंगा लहराने के प्रति लोगो को जागरूक करने का प्रयास करें, जिससे उनके मन मे देश प्रेम जगेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज गौरव का प्रतीक है और लोगों को इसका सम्मान करना चाहिए। यह पहल लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में इस अभियान को सफल बनाने में सभी लोग साथ दे। यह हर एक नागरिक का कर्तव्य है। युवाओं की टोली बनाकर अभियान को पूरा करने में सहयोग दे। अनेक अत्याचारों, संघर्षों और बलिदानों के बाद मिली आजादी का ये 79वां वर्ष है। आइए इस वर्ष अपने स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए हम इस अभियान में अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जिले में बीते 24 घंटे में 29.1 मिमी वर्षा दर्ज

बांधवगढ़ में सर्वाधिक 74.8 मिमी

बारिशउमरिया, 10 अगस्त। अधीक्षक भू-अभिलेख ने जानकारी दी कि जिले में बीते 24 घंटे में औसतन 29.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसमें सर्वाधिक वर्षा बांधवगढ़ क्षेत्र में 74.8 मिमी दर्ज हुई, जबकि मानपुर में 25.5 मिमी, पाली में 13.2 मिमी, नौरोजाबाद में 16.4 मिमी, चंदिया में 19.6 मिमी, करकेली में 46.9 मिमी और बिलासपुर में 8 मिमी वर्षा दर्ज की गई।सीजन में अब तक 875.5 मिमी वर्षा1 जून से 10 अगस्त तक जिले में कुल 875.5 मिमी वर्षा दर्ज हो चुकी है। इसमें बांधवगढ़ में 873 मिमी, मानपुर में 985.2 मिमी, पाली में 735.2 मिमी, नौरोजाबाद में 727 मिमी, चंदिया में 979.7 मिमी दर्ज की है।

पाली में 14 से 'श्रीकृष्ण पर्व: महोत्सव में नृत्य, संगीत और भक्ति का संगम

पाली के देवी बिरासनी मंदिर प्रांगण में सजेगा सांस्कृतिक उत्सव का रंगमंच

संस्कृति विभाग द्वारा देवी बिरासनी मंदिर प्रांगण, पाली में 14 से 16 अगस्त 2025 तक 'श्रीकृष्ण पर्व' – "हलधर महोत्सव एवं लीला पुरुषोत्तरम का प्रकटोत्सव" का भव्य आयोजन किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज, उमरिया।

तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य-नाटिका, भक्ति गीत और संगीत की प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकार भक्ति रस की यमुना बहाएंगे।पहला दिन भक्ति सुरों से होगी शुरुआत – उद्घाटन सत्र में दुखीलाल दाहिया श्रीकृष्ण भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे।राधा-कृष्ण की प्रेम लीला का मंचन – संघमित्रा तायवाड़े भोपाल अपनी नृत्य-नाटिका के माध्यम से कृष्ण, राधा और गोपियों के प्रेम व आनंद को जीवंत करेंगी।भक्ति की बौछार – कबीरा बैंड उमरिया अपने गीतों से दर्शकों को भक्ति के सागर में डुबो देंगे।दूसरे दिन मधुर भजन संध्या – ममता मिश्रा नर्मदापुरम अपनी सुरीली आवाज़ में कृष्ण भक्ति गीत गाएँगी।उड़ीसा से विशेष प्रस्तुति अभिनयना डांस अकादमी नृत्य, भजन और कृष्ण बाल लीलाओं का मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी।तीसरे दिन जबलपुर का नृत्य नाट्य शालिनी खरे एवं ग्रुप श्रीकृष्ण नृत्य-नाटिका प्रस्तुत करेंगे।भक्ति का समापन गीत विवेक मेहता एवं साथी इंदौर भक्ति संगीत से श्रद्धालुओं को प्रभु प्रेम में डुबो देंगे। यह आयोजन कला, संस्कृति और श्रद्धा का अनोखा संगम होगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार पाली को कृष्णमय बना देंगे।

13 अगस्त को होगा पेंशन शिविर जुलाई तक लंबित सभी पेंशन प्रकरणों का होगा शत-प्रतिशत निराकरण

सेवा निवृत्त और दिवंगत शासकीय सेवकों के हित में जिला प्रशासन की पहल

उमरिया। जिले में सेवा निवृत्त एवं दिवंगत शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण और नियमित पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए 13 अगस्त को एक दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर गठित पेंशन कार्यालयों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।नियम के अनुसार समय पर भेजे जाएं प्रकरणमप्र सिविल सेवा नियमों के अनुसार कार्यालय प्रमुखों को यह प्रावधान दिया गया है कि किसी भी शासकीय सेवक के पेंशन प्रकरण को उसकी सेवा निवृत्ति से छह माह पूर्व पेंशन संवितरण अधिकारी को भेजा जाए।विलंब से हो रही दिक्कतेंजिला पेंशन अधिकारी ने बताया कि कई कार्यालय पेंशन प्रकरणों को विलंब से प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनका समय पर निराकरण और भुगतान नहीं हो पाता। शासन की मंशा है कि प्रत्येक शासकीय सेवक को सेवा निवृत्ति के बाद शीघ्रतम समय में पेंशनरी लाभों का भुगतान हो।शिविर में होगा लंबित मामलों का समाधानजुलाई माह तक के सभी लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 13 अगस्त को होने वाले शिविर में समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे लंबित प्रकरणों को प्रस्तुत कर शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम पंचायत मुदरिया में तिरंगा यात्रा, युवाओं और विद्यार्थियों में देशभक्ति का उमड़ा जज़्बा

जयघोष से गुंजायमान हुआ ग्राम का वातावरण

उमरिया। "विजय विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा" के नारों के बीच हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम पंचायत मुदरिया में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन और मार्गदर्शन में सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया ने इस यात्रा का नेतृत्व किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय माध्यमिक विद्यालय मुदरिया परिसर से हुआ।गांव की गलियों में तिरंगे का परचमतिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से निकलकर गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। इस दौरान सैकड़ों छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" और "अमर शहीद अमर रहें" के जयघोष करते हुए शामिल हुए। देशभक्ति के नारों से गांव का माहौल गुंजायमान हो गया।देशप्रेम का प्रतीकआयोजकों ने बताया कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति प्रेम और गौरव की भावना को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई। इस दौरान स्थानीय लोगों में भी भारी उत्साह देखने को मिला।शिक्षकों और विद्यार्थियों की सहभागितातिरंगा यात्रा में विद्यालय के प्रधान अध्यापक आर.के. सोनी, शिक्षक एस.के. बुनकर, प्रवीण चौरसिया, ध्रुव सिंह, हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी, शिखा बर्मन सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और छात्राएं जैसे अर्चना सिंह, मोहिनी कोल, पूजा बैगा, ज्योति सिंह, प्रतिज्ञा सिंह, सुरभी सिंह, संजीव सिंह, आदित्य सिंह आदि उपस्थित रहे।

जिला जेल में मनाया गया रक्षाबंधन

155 बंदियों की 390 से अधिक परिजन मिले

सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम, कर्मचारियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

उमरिया।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन एवं जेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिला जेल उमरिया में रक्षाबंधन का पर्व उल्लास और भावनाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 155 बंदियों की 390 से अधिक परिजनों से प्रत्यक्ष मुलाकात करवाई गई।सुबह से मुस्तैद रहा स्टाफजेलर/उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को ने बताया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतज़ाम किए गए थे। प्रातः 8 बजे से सभी कर्मचारियों को उनके निर्धारित स्थानों पर तैनात किया गया। किसी भी स्थिति में स्टाफ की कमी न हो, इसके लिए जेल मुख्यालय के निर्देशानुसार अवकाश पर पाबंदी लगाई गई थी।विशेष ड्यूटी में सराहनीय योगदानरक्षाबंधन की विशेष ड्यूटी में जगत नारायण पाण्डेय, मुहम्मद शारिब, रमन विश्वकर्मा, दुरपाल मरावी, संध्या तिवारी, सुधाकर पटेल, संतोष मसराम, रामबिलास, वंशपति प्रसाद, प्रमोद मिश्रा, प्रवीण द्विवेदी सहित अन्य कर्मचारियों ने बेहतरीन कार्य किया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में तिथियां बढ़ीं, अऋणी कृषकों के लिए 14, ऋणी कृषकों के लिए 30 अगस्त अंतिम तिथि, समय पर बीमा कराएं ताकि नुकसान की भरपाई मिल सके

उमरिया।

उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2025 फसलों हेतु बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अऋणी कृषकों के लिए यह तिथि अब 14 अगस्त 2025 और ऋणी कृषकों के लिए 30 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।ऋणी कृषकों के लिए विशेष निर्देशजिन कृषकों ने बैंकों से के.सी.सी. लिया है और उनका बीमा बैंक द्वारा किया जाना है, लेकिन किसी कारणवश अभी तक नहीं हुआ है, वे तत्काल अपने बैंक से संपर्क कर बीमा प्रक्रिया पूर्ण कराएं।अऋणी कृषकों को भी मिले अवसरअऋणी तथा जिनका फसल बीमा छूट गया है, ऐसे कृषक अंतिम तिथि का इंतजार न करें और शीघ्र ही नजदीकी सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक या जन सेवा केंद्र (सीएससी) / एमपी ऑनलाइन पर जाकर बीमा कराएं।कृषकों से अपीलकृषि विभाग ने कृषकों से अपील की है कि खरीफ फसलों का बीमा समय पर कराएं, ताकि प्रतिकूल मौसम या उपज में कमी होने की स्थिति में योजना के तहत नुकसान की भरपाई प्राप्त हो सके।

जरूरतमंद व असहाय बहनों संग मनाया रक्षाबंधनयुवा टीम उमरिया की पहल से खिले चेहरों पर मुस्कानराखी बांधकर भाइयों ने दिया सुरक्षा का वचनफोटो क्रमांक-04उमरिया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया ने जरूरतमंद और असहाय बहनों के चेहरों पर खुशी लाने का अनोखा प्रयास किया। वार्ड नंबर 15 स्थित खेर माता मंदिर के पास 18 बहनों को एकत्र कर उनसे राखी बंधवाई गई और उपहार भेंट किए गए।भाई-बहन के रिश्ते का भावपूर्ण क्षणकार्यक्रम में पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पंडित प्रकाश पालीवाल, बिरासनी कंप्यूटर इंस्टिट्यूट पाली एवं किरण कंप्यूटर इंस्टिट्यूट नौरोजाबाद के संस्थापक पवन सम्भर, एडवोकेट नीरज मुसाफिर राय, युवा हिमांशु तिवारी और राहुल सिंह ने बहनों से राखी बंधवाकर मिठाई ग्रहण की। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा और भाइयों ने उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया।शुभकामनाओं के साथ मुस्कान का तोहफ़ापाली थाना प्रभारी और पवन सम्भर ने बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमेशा उनके चेहरों पर मुस्कान बनी रहे। उपहार प्राप्त करते ही बहनों के चेहरे खिल उठे और वातावरण भावनाओं से सराबोर हो गया।कार्यक्रम में उपस्थित बहनेंराखी कार्यक्रम में पूजा बैगा, रोशनी बैगा, रागिनी बैगा, शिल्पा कोल, मोहनी कोल, सुरभि कोल, मंजू बैगा, खुशी बैगा, खुश्बू कोल, लक्ष्मी बैगा सहित सभी बहनें उपस्थित रहीं।

सालों से हो रही सौंसर में केंद्रीय विद्यालय शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

सौंसर में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग शासन प्रशासन सरकार एवं जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र वासियों के द्वारा वर्षों से की जा रही है बावजूद इसके केंद्रीय विद्यालय खुलने को लेकर किसी प्रकार की कोई प्रशासनिक कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। नवनिर्मित पांढुर्ना जिले का कृषि,मध्यम ,ग़रीब बाहुल्य संतारांचल क्षेत्र सौसर वन एवं खनिज संपदा से सम्पन्न होने के साथ राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक रूप से विकासशील व सजग है। सौसर सबसे पुरानी तहसील है,बावजूद शैक्षणिक दृष्टि से अभी तक पिछडा नजर आता है। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए साहित्यकार एस आर शेंडे ने बताया कि सौसर क्षेत्र में 90 के दशक में पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ के प्रयासों से विभिन्न उद्द्योगों की स्थापना से क्षेत्र के विकास को गति जरूर मिली है। परंतु यहां केंद्रीय स्तर का कोई शिक्षण संस्थान प्रारंभ नहीं हो सका है।जिससे बच्चों को गुणात्मक व सुलभ शिक्षा मिले। सिविल राइट्स प्रोटेक्शन सेल के राष्ट्रीय सचिव, श्री.शेंडे ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव,सांसद विवेक बंटी साहू,क्षेत्र के विधायक विजय चौरे,सभी जनप्रतिनिधियों को पत्र प्रेषित कर सौसर में सर्वसुविधायुक्त केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने की मांग की है।

लापरवाही बरतने पर की कार्यवाही

दो प्राथमिक शिक्षक व एक सहायक शिक्षक को किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल द्वारा विकासखंड सौंसर के दो प्राथमिक शिक्षक श्री वासुदेव उईके व श्री विजय शेंडें एवं विकासखंड परासिया के एक सहायक शिक्षक श्री मनीष मिश्रा को कार्य के प्रति लापरवाही, अनियमितता एवं बार-बार अनुपस्थित रहने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि शिकायत की जांच में प्राथमिक शिक्षक श्री वासुदेव उईके द्वारा विकासखंड सौंसर के शासकीय प्राथमिक शाला मोगरा में 14 सितंबर 2024 को पदभार ग्रहण करने के बाद विद्यालय में उपस्थिति अनियमित पाई गई। श्री उईके का अधिकांश समय शाला से अनुपस्थित रहने, शाला में अध्यापन कार्य नहीं कराये जाने, शाला में पूर्ण समय उपस्थित नहीं रहने, बच्चों एवं संस्था प्रमुख के साथ व्यवहार ठीक नहीं होने के कारण शासकीय प्राथमिक शाला मोगरा, संकुल घोटी, विकासखण्ड सौंसर के प्राथमिक शिक्षक श्री वासुदेव उईके को तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से निलंबित किया जाकर, मुख्यालय, कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, पांढुर्णा नियत किया गया है। विकासखंड सौंसर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंधराखेड़ी की शिकायत की जांच में पाया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंधराखेड़ी के प्राथमिक शिक्षक विज्ञान श्री विजय शेंडे पूर्ण समय शाला में उपस्थित नहीं रहते है, बिना अनुमति के शाला से चले जाते है, अनाधिकृत रूप से उपस्थिति रजिस्टर में अनावश्यक प्रविष्टियां दर्ज करते है,

कोयलांचल मे धूमधाम से मनाया गया कजलियां पर्व

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में रविवार को कजलियां का पर्व परम्परा अनुसार मनाया गया। घरों में बोए गए जवारे को लोक गीत के साथ महिलाएं, पुरुष, बच्चे तलाबों में विसर्जन करने पहुंचे। पर्व के दौरान कोतमा नगर के विभिन्न देवालयों में भीड़ देखी गई। मंदिरों में देवी-देवताओं को कजलियां अर्पित करने के बाद परिचितों के यहां पहुंचकर कजलियां भेंट कर एक दूसरे से गले मिले एवं बड़ो का आशीर्वाद लिया।यह क्रम देर रात तक चलता रहा। लोगों ने कजलियों के माध्यम से बुजुर्ग व अपने से बड़ों का आशीर्वाद लिया। वहीं अनेक स्थानों पर शैला नृत्य का आयोजन भी किया गया। नगर के मठ मंदिर तालाब, नदी घाट सहित अन्य सरोवर व नदियों में कजलियों का विसर्जन करने लोग पहुंचे। गांव में ग्रामीणों ने कजलियों का महापर्व धूमधाम के साथ मनाया। कजलियां का पूजन कर उनका विसर्जन किया गया।इस पर्व का किसानों मे विशेष महत्व है। किसान पर्व के जरिए फसल प्राप्त होने की कामना कर भगवान का स्मरण व पूजन कर आर्शीवाद लेते है। कजलियां पर्व पर

महिलाओं ने घरों में बोई गई कजलियां की पूजा की। शाम होते ही महिलाएं घरों से टोकरियों में कजलियां लेकर निकलीं। गीत व पूजन के बाद महिलाओं ने नगर के शिवसागर तालाब बस स्टैंड तालाब एवं केरहा नाला व अन्य तालाब में कजलियां विसर्जित कीं। इसके बाद एक दूसरे को कजलियां देकर पर्व की बधाईयां दी गईं। छोटे-छोटे बच्चों में ज्यादा उत्साह देखने को मिला। शाम होते ही टोली बनाकर नगर की गलियों में रुमाल में कजलियां लेकर एक दूसरे से मिलने एवं बड़ों का आशीर्वाद लेने घूमते नजर आए वही बड़ों ने भी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें उपहार स्वरूप टाफी या नगद राशि भेंट की। बारिश का मौसम होने के कारण तालाबों एवं नदियों में जलस्तर ज्यादा है कोई दुर्घटना घटित ना हो इसको मद्देनजर रखते हुए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस प्रशासन के द्वारा तालाब एवं जलाशयों में पुलिस की ड्यूटी लगाई हुई थी।

चंदिया पुलिस ने चार आरोपियों पर किया मामला दर्ज, गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी

बस चालक पर दबंगों का हमला, जान से मारने की धमकी

उमरिया।

यात्री सुरक्षा को शर्मसार करने वाली एक और घटना जिले में सामने आई है। ग्राम बेलमना (अखडार) निवासी बस चालक ने आरोप लगाया है कि घंघरी निवासी अतुल सिंह, सौरभ सिंह निवासी भुंडी, शंकर सिंह निवासी भुंडी और अजय सिंह निवासी भुंडी ने मिलकर उस पर बेरहमी से हमला किया, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।पीड़ित चालक के अनुसार, वह बस क्रमांक एमपी-13 जेडक्यू 3110 लेकर बिलासपुर से उमरिया आ रहा था। पहला विवाद अखडार बस स्टैंड पर बस को किनारे करने को लेकर हुआ, जहां आरोपियों ने अपशब्द कहे और आक्रामक व्यवहार किया। चालक ने किसी तरह स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों का इरादा कुछ और था।कुछ देर बाद, चांदपुर बस स्टैंड पर आरोपियों ने दोबारा बस को रोक लिया और इस बार लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने चालक की आंख, सिर, पीठ और कंधे पर गंभीर चोट पहुंचाई और खुलेआम जान से मारने की धमकी दी।बताया जा रहा है कि इससे पहले भी इसी चालक को हमला झेलना पड़ा था, जिससे इस घटना की गंभीरता और बढ़ जाती है। पीड़ित ने तुरंत चंदिया थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 296, 115, 351, 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

खबर संक्षेप

संदीप एस. पारणजपे संभवतः सोमवार को संभालेंगे महाप्रबंधक का पदभार

धनपुरी। सोहागपुर एरिया में लंबे समय बाद बड़ा प्रशासनिक बदलाव होने जा रहा है। सोमवार को श्री संदीप एस. पारणजपे, महाप्रबंधक (खनन), स्थायी रूप से एरिया जनरल मैनेजर के रूप में पदभार संभालेंगे।पूर्व महाप्रबंधक का सेवानिवृत्त होना 30 जून को वी. श्री कृष्णा के सेवानिवृत्ति के बाद, जीएम (संचालन) पद पर कार्यरत मनीष श्रीवास्तव को प्रभारी महाप्रबंधक बनाया गया था। उन्होंने पिछले एक माह तक क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालते हुए संचालन किया।नागपुर WCL से आए अनुभवी अधिकारी कोल इंडिया लिमिटेड के आदेशानुसार, श्री पारणजपे को सीसीओ, नागपुर/बिलासपुर से उनके वर्तमान पद और ग्रेड में एसईसीएल में प्रतिनियुक्त किया गया है। कई वर्षों बाद नागपुर स्थित वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (WCL) के महाप्रबंधक सोहागपुर एरिया की कमान संभालने जा रहे हैं।उत्पादन और प्रबंधन में सुधार की उम्मीद खनन प्रबंधन में लंबे अनुभव के कारण श्री पारणजपे से उत्पादन बढ़ाने और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की उम्मीद जताई जा रही है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि ज्वाइनिंग के 15 दिनों के भीतर वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (PAR) ऑनलाइन भरें और इसके लिए पीएमएस नोडल अधिकारी से संपर्क करें।अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं नए महाप्रबंधक के आगमन पर सोहागपुर एरिया के उपक्षेत्र प्रबंधकों, खान प्रबंधकों व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और क्षेत्र के विकास एवं उत्पादन में नए उत्साह से काम करने का भरोसा जताया।आदेश सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से जारी यह आदेश महाप्रबंधक (मा.सं./अधि. स्था.) सुजाता रानी द्वारा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से जारी किया गया है। हाइलाइट बॉक्सः "कई वर्षों बाद सोहागपुर क्षेत्र की कमान नागपुर WCL के महाप्रबंधक को सौंपी गई, अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं"

91 लाख रूपये से अधिक की सहायता राशि अंतरित

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मानसून काल के दौरान सर्पदंश, आकाशीय बिजली, पानी में डूबने से हुई जनहानि, मकान क्षति और अन्य प्रकार के नुकसान से कटनी जिले के प्रभावित 329 पीड़ित परिवारों के बैंक खाते में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिंगल क्लिक द्वारा 91 लाख 88 हजार 550 रुपये की आर्थिक सहायता राशि अंतरित किया। कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। यहां पहुंचे आपदा प्रभावितों ने इस कार्यक्रम को देखा। आर्थिक सहायता राशि पाकर आपदा पीड़ितों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एनआईसी कक्ष में अपर कलेक्टर साधना परस्ते, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंह मारे उइके और अमृता गर्ग सहित आपदा प्रभावित हितग्राही बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ी

कटनी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। अऋणी किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त कर दी गई है। वहीं, ऋणी किसान अब 30 अगस्त तक फसलों का बीमा करा सकेंगे। अऋणी कृषक अपनी फसल का बीमा कराने के लिए अपनी नजदीकी बैंक शाखा (सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक या राष्ट्रीयकृत बैंक), जनसेवा केंद्र या एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। बीमा कराने के लिए घोषणा पत्र, आधार कार्ड, जमीन सिकमी होने पर शपथ पत्र, ऋण पुस्तिका, बैंक खाते का विवरण एवं बुवाई प्रमाण पत्र ले जाकर जाना होगा। खरीफ में अनाज और दलहन फसलों के लिए प्रीमियम राशि, बीमित राशि का 2 प्रतिशत निर्धारित की गई है। उपसंचालक कृषि मनीष मिश्रा ने सभी किसानों से अनुरोध किया है।

बंद सिग्नल से बिगड़ा यातायात, त्योहारों में बढ़ी परेशानी

जिला मुख्यालय के प्रमुख चौराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नल लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है। त्योहारों के मौसम में शहर में दिनभर वाहनों की आवाजाही तेज रहती है, ऐसे में सिग्नलों के न चलने से जगह-जगह जाम की स्थिति बन रही है।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

गांधी चौक, इंदिरा चौक, अजंता चौक, स्टेशन रोड, जैन मंदिर और शेर चौक जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर यातायात नियंत्रण के लिए लगाए गए सिग्नल महीनों से काम नहीं कर रहे। गांधी चौक और इंदिरा चौक पर दिन में कभी-कभी यातायात पुलिसकर्मी मौजूद रहते हैं, लेकिन अन्य चौराहों पर ऐसी व्यवस्था नहीं दिखती। नतीजतन, खासकर शाम के समय भीड़भाड़ बढ़ने पर स्थिति धमा-चौकड़ी में बदल जाती है।स्टेशन रोड और शेर चौक सबसे ज्यादा प्रभावितस्टेशन जाने वाले मार्ग पर जैन मंदिर और शेर चौक के आसपास का इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। यहां सड़कों की चौड़ाई सीमित है और त्योहारों के दौरान खरीदारी करने आने वालों के वाहनों की भीड़ लग जाती है। परिणामस्वरूप, यह इलाका घोषित 'स्टैंड' की तरह जाम से भर जाता है। गांधी चौक पर भी शाम को जाम लगना आम हो गया है, जिससे वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों को परेशानी होती है।बुढ़ार मार्ग पर भी मुश्किलेंइंदिरा चौक से बुढ़ार जाने वाले मार्ग पर भी यातायात की रफ्तार सिग्नल बंद रहने से थम जाती है। यहां भारी वाहनों और छोटे चारपहिया वाहनों की भीड़ के कारण लंबी कतारें लग जाती हैं। त्योहारों में यह समस्या और गंभीर हो गई है, क्योंकि बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोग अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात और बाधित होता है।नियमित निगरानी की कमीस्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक सिग्नलों के खराब होने की जानकारी लंबे समय से है, लेकिन अब तक उन्हें दुरुस्त नहीं किया गया। कई जगह तो सिग्नल खंभे पर जमी धूल और जाले साफ तौर पर दिखते हैं, जो लापरवाही का सबूत हैं। वहीं, यातायात पुलिसकर्मी भी केवल कुछ चुनिंदा चौराहों तक ही सीमित रहते हैं, बाकी स्थानों पर पूरी तरह से लापरवाही देखने को मिलती है।स्थानीय नागरिकों की मांगनागरिकों ने जिला प्रशासन और यातायात विभाग से जल्द से जल्द सभी सिग्नलों को चालू कराने और त्योहारों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की मांग की है। उनका कहना है कि यदि तुरंत सुधार नहीं किया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही, सड़कों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर भी कड़ी कार्रवाई की जरूरत बताई जा रही है।

ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण, साफ-सफाई और जन-जागरूकता कार्यक्रम

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान की शुरुआत

शहडोल।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जनपद पंचायत गोहपारू में 8 अगस्त से 15 अगस्त तक "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता" विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान संस्कृति मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुधीर कुमार दिनकर के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।इससे पहले 1 अगस्त से 7 अगस्त तक ग्रामीणों में उत्साह और सहभागिता बढ़ाने के लिए पूर्व-जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।अभियान का उद्देश्यअभियान का मकसद नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ व सुरक्षित गांव की संकल्पना को साकार करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में सतत स्वच्छता, सुरक्षित जल आपूर्ति और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है।स्वच्छता और जल संरक्षण पर फोकसअतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि 8 से 15 अगस्त तक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन के सहयोग से ग्राम पंचायतों में सामुदायिक साफ-सफाई, जल संरक्षण, सार्वजनिक स्थलों की सफाई और जन-जागरूकता कार्यक्रम होंगे।इन गतिविधियों में गांव के प्रमुख स्थल, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक भवनों की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया जाएगा।15 अगस्त को समापनअभियान का समापन स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण समारोह के साथ होगा, जहां स्वच्छता और जल संरक्षण के संदेश को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीणों को घर और आसपास स्वच्छ रखने, पानी की बर्बादी रोकने और जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प दिलाया जाएगा।ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारीमहिला समूह, युवा समितियां, विद्यालय के बच्चे, स्वयंसेवक और स्थानीय संगठन इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। 1 अगस्त से ही घर-घर जाकर लोगों को जोड़ा जा रहा है। जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर-बैनर और ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वच्छता और देशभक्ति का संदेश फैलाया गया।

जिला चिकित्सालय के निरीक्षण हेतु संयुक्त समिति गठित

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी में साप्ताहिक निरीक्षण और पर्यवेक्षण की कार्यवाही हेतु डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति के सचिव कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग शारदा सिंह को बनाया गया है। सदस्य के रूप में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पवनसुत गुप्ता, म.प्र. राज्य विद्युत मंडल के कार्यपालन यंत्री मुकेश महोबे और नगर निगम कटनी के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी को शामिल किया गया है। संयुक्त निरीक्षण समिति को निर्देशित किया गया है कि वे शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी के निरीक्षण का साप्ताहिक प्रतिवेदन प्रत्येक समय-सीमा की बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे

रामपुर बदुरा परियोजना में अगस्त से वेतन बायोमेट्रिक उपस्थिति से जुड़ेगा

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के रामपुर बदुरा परियोजना प्रबंधन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश जारी किया है कि अगस्त 2025 से उनका वेतन केवल बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर तैयार किया जाएगा। यह व्यवस्था स्टाफ ऑफिसर (एच.आर.) सोहागपुर क्षेत्र द्वारा जारी पत्र क्रमांक 1367 दिनांक 8 जुलाई 2025 के अनुसार लागू होगी।आदेश के मुताबिक प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को प्रतिदिन अपने ड्यूटी के दौरान इन और आउट दोनों एंट्री बायोमेट्रिक मशीन में अनिवार्य रूप से दर्ज करनी होगी। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई कर्मचारी इन और आउट दर्ज करने में लापरवाही करता है, तो उपस्थिति में दर्ज कमी के चलते वेतन संबंधी जो भी असुविधा या कटौती होगी, उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं कर्मचारी की होगी।खान प्रबंधक ने बताया कि यह कदम कार्यस्थल पर अनुशासन बनाए रखने और उपस्थिति रिकॉर्ड को पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है।

बहनों ने राखी बांधी, भाईयों ने दिया रक्षा का वचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

तहसील मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों रक्षाबंधन का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई में राखी बांधी और मिठाइयां खिलाई। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर रक्षा करने का वचन दिया। यह पर्व हमारी भारतीय संस्कृति की उस अमूल्य परम्परा का प्रतीक है जिसमें स्नेह, संरक्षण और समर्पण के भाव जुड़े है बहनों का विश्वाश और भाइयों का कर्तव्य बोध समाज को एक मजबूत आधार देते है आज जब हम आत्मनिर्भर और समर्थ भारत की दिशा में आगे बढ़ रहे है तब रक्षा बंधन का संदेश हमे याद दिलाता है कि हम सभी एक दूसरे की जिम्मेदारी है इस शुभ अवसर पर भाइयों ने अपनी बहनों ,माताओं,और हर जरूरत मंद के मान सम्मान और सुरक्षा के लिए सदेव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन एक बहुत ही खास भारतीय पर्व है जो भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है . इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की प्रार्थना करती हैं. वहीं भाई अपनी बहनों को उपहार देते हैं और उनका हमेशा ख्याल रखने का वचन देते हैं यह त्यौहार पूरे भारत में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रक्षा बंधन एक ऐसा त्यौहार है जो भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत करता है. यह सिर्फ धागा नहीं, बल्कि एक ऐसा बंधन होता है जो दोनों के बीच स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक बन जाता है. इस दिन बहनें अपने भाई की लंबी उम्र, सुरक्षा और खुशहाली की कामना करती हैं और भाई यह वादा करते हैं कि वे हर परिस्थिति में बहन का साथ देंगे।

तेवरी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन में आदिवासी समुदाय का है अहम योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

युवाजन सेवा समिति तेवरी एवं छात्र सभा के द्वारा ग्राम तेवरी में 9 अगस्त 2025 शनिवार को "विश्व आदिवासी दिवस" मनाया गया। विश्व आदिवासी दिवस मनाने के पीछे आदिवासी समुदायों के द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों प्रचार प्रसार था। प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में इस आदिवासी समुदाय का विशेष योगदान आज तक है!भगवान बिरसा मुंडा हमेशा जमीन से जुड़े लोगों के उत्थान के लिए एक अग्रदूत के रूप में कार्य किया। जिन्हें इन्हीं कार्यों के कारण जनमानस में भगवान की उपाधि दी गई है। ग्राम तेवरी एवं आसपास के क्षेत्र विकास के लिए 2005 में स्थापित युवा जन सेवा समिति तेवरी एवं छात्र सभा के द्वारा सर्वप्रथम सुबह भटिया तेवरी लखनवारा होते हुए तेवरी के मुख्य मार्ग में एक भव्य व विशाल रैली आयोजित की गई, जिसका रामलीला मैदान में समापन कार्यक्रम हुआ!जहाँ मंचासीन अतिथियों के द्वारा 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर संबोधित करते हुए आदिवासी समुदाय के उल्लेखनीय कार्यों को बताया।

कार्यक्रम को अवसर सिंह, हल्कू सिंह परस्ते, लखन उपाध्याय, अरविंद शाह, सुलोचना सिंह, मनीषा धुर्वे, मृत्युंजय सिंह, दिनेश झारिया, तान सिंह मार्को, बैजनाथ भूमियां, इंजीनियर यजुवेंद्र यादव, प्रशांत जैन, सरपंच कल्लूदास बैरागी,बलबीर सिंह ने संबोधित करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित करते हुए जन मानस को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं भगवान बिरसा मुंडा के द्वारा किए गए महान कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन व्यायाम शिक्षक महेंद्र सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र सभा के युवराज सिंह धुर्वे और बैजनाथ भूमियां ने सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष बसंत जायसवाल, रविन्द्र नाथ झारिया, रामशरण जायसवाल, सुरेंद्र झारिया, संतोष सोनी, उमेश चौबे, सचिन गुप्ता, दुर्गा प्रसाद कोल, हरि सिंह ठाकुर, निशांत झारिया, अट्ठी कोल,अमृत सिंह परस्ते, संजय कुशवाहा, राकेश रैदास, राजकुमार, आदर्श सिंह, प्रियांशु गुप्ता, विनोद सिंह, देवेंदु यादव, इंद्रजीत सिंह, वेद प्रकाश चौधरी, अभिलाष चक्रवर्ती आदि की उपस्थिति रही।

15 अगस्त से शुरू होगा पौधे लगाने का कार्य

समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्व -सहायता समूह की महिलाओं को प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत ₹एक बगिया मां के नाम₹ परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्वसहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। इसके लिए पंजीयन ₹एक बगिया मां के नाम₹ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जा रहा है। ऐप का निर्माण मनरेगा परिषद द्वारा एमपीएसईडीसी के माध्यम से कराया गया है। हितग्राही का चयन ऐप के माध्यम से किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

पहली बार अत्याधुनिक तरीके से पौधरोपण का कार्य किया जायेगा ।इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से किया गया है। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर की मदद से ही भूमि का परीक्षण किया गया है। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयोगी है, पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा, पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी कहा पर उपलब्ध है, यह सब वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से पता लगाया जा रहा है। साथ ही, जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा। पौधरोपण का कार्य बेहतर ढंग से हो इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

"एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक समृद्धि का आधार बनेंगे।

₹एक बगिया मां के नाम₹ परियोजना अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनतम 100 हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। चयनित हुई समूह की पात्र महिलाओं को बकायदा प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण महिलाओं को वर्ष में दो बार दिया जाएगा।

प्रति 25 एकड़ पर एक कृषि सखी की होगी तैनाती

फलोद्यान की बगिया लगाने के लिए चयनित हितग्राहियों की सहायता के लिए कृषि सखी की तैनाती की जाएगी। कृषि सखी हितग्राहियों को खाद, पानी, कीटों की रोकथाम, जैविक खाद, जैविक कीटनाशक तैयार कराने और अंतरवर्तीय फसलों की खेती के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल झिंझरी पुलिस ग्राउंड का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने झिंझरी स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में पहुंचकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को आयोजित होने वाले कार्यक्रम से संबंधित जरूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत, अपर कलेक्टर साधना परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहेरिया, डिप्टी कलेक्टर विवेक गुप्ता, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी एवं निगमायुक्त नीलेश कुमार दुबे मौजूद रहे।

व्यवस्थाएं करने के निर्देश

कलेक्टर श्री यादव ने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को मैदान के जिन स्थलों में वाटर लॉगिंग हो रही है वहां समुचित व्यवस्था कर मैदान को व्यवस्थित करने और संभावित बारिश के मद्देनजर वाटर प्रूफ पंडाल लगाने की हिदायत दी। इसके साथ उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वतंत्रता दिवस के दिन संदेश के सीधे प्रसारण को कार्यक्रम स्थल में देखने और सुनने की व्यवस्था के लिए एलईडी टीवी लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा समारोह स्थल में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड वाहनों की तैनाती आदि के संबंध में भी जरूरी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने निर्देशित करते हुये कहा कि समारोह के दौरान मार्च पास्ट कार्यक्रम के संबंध में दिशा-निर्देश दिये। साथ ही मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के निर्बाध प्रसारण के लिए समुचित व्यवस्था, इंटरनेट कनेक्शन आदि व्यवस्थित स्वरूप में करने के निर्देश भी दिए।

खबर संक्षेप

अनूपपुर में धूमधाम से मनाया गया आदिवासी दिवस

अनूपपुर। 9 अगस्त को जिला मुख्यालय उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल ग्राउंड में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज की बालिकाओं के रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। "सारी दुनिया में धूम मचा दो, आदिवासी दिवस मना लो" गीत पर मनमोहक नृत्य ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया। विशेष दिवस पर अनूपपुर की गलियों में "जय जोहार" के नारों की गूंज सुनाई दी। सर्व आदिवासी समाज ने एक विशाल रैली के साथ अपनी अस्मिता, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आदिवासी मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों के पालन का संकल्प लिया गया। चचाई विद्युत विभाग के इंजीनियर राजेश डेहरिया ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ एकजुट भी रहना चाहिए। वहीं सुरेंद्र पट्टा ने कहा कि संवैधानिक अधिकार पाने के लिए उनका ज्ञान होना जरूरी है। केवल साक्षर होना काफी नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी आवश्यक है। जेलों में आदिवासियों की संख्या अधिक होने का कारण संवैधानिक जानकारी का अभाव है, कई निर्दोष आदिवासी फंसाए गए हैं। कार्यवाहक अध्यक्ष प्रहलाद दास ने युवाओं को शिक्षा से दूर रहने को समाज के लिए खतरा बताया और कहा कि समाज का नेतृत्व पढ़ा-लिखा व्यक्ति ही कर सकता है। अध्यक्ष अमिता मरावी ने सभी को एकजुट होकर कार्यक्रम सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। मंच संचालन अंजलि सिंह और श्रवण मानिकपुरी ने किया, जबकि कार्यक्रम संचालन की जिम्मेदारी सुरेंद्र पट्टा ने निभाई। कार्यक्रम में डॉ एस आर परस्ते, पंचम सिह धुर्वे, ओमकार सिंह, राजीव सिंह जनपद अध्यक्ष, रंजीत सिंह जिला जनपद सदस्य, बी एस पोर्ते, विनोद सिंह, मोहन सिंह परते, रामनिरंजन सिंह पोर्ते, गंगा सिंह नेटी, रामेश्वर राठौर, गोविंद सिंह एडवोकेट, संदीप पड़वार जिला अध्यक्ष /आप कृष्णा पनिका जिला अध्यक्ष/जे. व्हाई.पी.एस,हेमवती पोर्ते, कुसुम सिंह परस्ते, दीनवती पोर्ते, कौशल्या सिंह धुर्वे, ममता सिंह नेटी, राधा सिंह परस्ते, ललिता सिंह आर्मो, शशिकला धुर्वे, लीला सिंह आर्मो, सुषमा पट्टा, गीता सिंह सराटी, वृंदा सिंह मार्को, सुधा मरावी, रंजना सिंह, गनेसिया मरावी, सीता पोर्ते, सरिता सिंह परते, ललिता रैदास, सावित्री चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

मुडधोबा में चबूतरा घोटाला, सरपंच और सचिव ने विकास को डकारा

बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत मुडधोबा में पांचवें राज्य वित्त आयोग की राशि गांव के विकास के लिए आई थी, लेकिन यहां यह रकम ईंट-गारे में नहीं, बल्कि लालच की भट्टी में जलकर राख हो गई सरकारी योजनाओं की रकम गांव की गलियों में घूमने के बजाय सीधे भ्रष्टाचारियों की जेब में उतर गई। देवी मढ़िया के पास 1,08,000 रूपए की लागत से चबूतरा बनना था, लेकिन 90,800 रूपए ऐसे ही हजम कर लिए गए। बिना एक ईंट रखे, बिना एक गड्ढा खोदे। भवन सिंह के घर के पास 99,000 रूपए का चबूतरा बनना था, वहां भी 74,900 रूपए ऐसे उड़ा दिए गए जैसे यह किसी की पुश्तैनी जायदाद हो। दोनों जगह आज भी खाली जमीन और जंगली झाड़ियां हैं, जो इस लूट की मूक गवाह बन चुकी हैं।

नियमों की धज्जियां उड़ाकर यात्रियों से हो रही खुली लूट
आरटीओ और यातायात विभाग की चुप्पी पर सवाल

जिले में यात्री बस संचालन पर जिम्मेदार विभागों की पकड़ पूरी तरह ढीली पड़ चुकी है। परिवहन व्यवस्था के नाम पर खुलेआम लूट मची है और आरटीओ व यातायात विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। न तो नियमों का पालन हो रहा है, न ही यात्रियों के अधिकारों की रक्षा।

प्रशासन बना मूकदर्शक, यात्री बसो में किराया सूची गायब

अनूपपुर जिले में बसों का बेलगाम आतंक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

परिणामस्वरूप बस संचालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। जिले में चलने वाली अधिकांश यात्री बसों में किराया सूची प्रदर्शित नहीं की गई है, जबकि परिवहन नियमों के तहत यह अनिवार्य है। स्थिति यह है कि अनूपपुर से राजेंद्रग्राम की दूरी 31 किलोमीटर की दूरी और किराया 50 रुपए है। इसी प्रकार अनूपपुर से अमरकंटक की दूरी 69 किलोमीटर है और किराया 100 रूपए वसूला जा रहा है, जो निर्धारित किराए से कहीं अधिक है। इतना ही नहीं, किराया लेने के बाद भी यात्रियों को टिकट नहीं दी जाती। टिकट मांगने पर डुप्लीकेट टिकट में राशि लिखकर थमा दी जाती है, जिस पर न तो बस ट्रांसपोर्ट कंपनी का नाम होता है और न यात्री कहां से यात्रा प्रारंभ कर रहा है और कहां तक जाने वाला है उसको भी नहीं दर्शाया जाता, साथ ही किसी प्रकार की आधिकारिक मुहर। यह न केवल यात्रियों के साथ धोखाधड़ी है, बल्कि सरकारी राजस्व की भी सीधी चोरी है।

खुली लूट पर अंकुश लगाने की मांग

बसों के चालक और परिचालक बिना यूनिफॉर्म के ड्यूटी पर रहते हैं, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। यात्रियों का कहना है कि विरोध करने पर बस कर्मी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं और बस से उतर जाने की धमकी देते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरटीओ और यातायात पुलिस अधिकारी दफ्तर में आराम से बैठकर कागजी खानापूर्ति में लगे हैं, जबकि फील्ड पर जाकर जांच करना और नियम लागू करवाना उनकी जिम्मेदारी है। प्रशासन की इस लापरवाही ने बस संचालकों के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि वे कानून और नियमों की धज्जियां उड़ाने में तनिक भी हिचकिचाहट महसूस नहीं करते। परिवहन विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रवृत्ति न केवल उपभोक्ता अधिकारों का हनन है, बल्कि भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण भी है। यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो यात्री लगातार ठगे जाते रहेंगे और सरकारी खजाने को भारी नुकसान होता रहेगा। यात्रियों ने मांग की है कि तत्काल सभी बसों में किराया सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए, टिकट प्रणाली को पारदर्शी बनाया जाए, दोषी बस संचालकों और कर्मचारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, और आरटीओ व यातायात विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए अन्यथा यह खुली लूट आने वाले समय में और विकराल रूप ले सकती है।

रक्षाबंधन के दिन हुआ हादसा

यातायात विभाग की लापरवाही का जीता जागता उदाहरण चिल्हारी मे हुई बस दुर्घटना ने दे दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब यात्रियों से खचाखच भरी ओव्हरलोड बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 30 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें से 8 गंभीर रूप से घायल हो गये। जिले के चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्हारी में शनिवार सुबह करीब 11 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, यात्रियों से भरी बस नंबर सीजी 15 ए बी 0499 जो बुढार से अनूपपुर की ओर जा रही थी, चिल्हारी गांव के पंचायत भवन के पास पलट गई। हादसे के समय बस में लगभग 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस चालक चकेठी, चिल्हारी और मेड़ियारास होकर अनूपपुर पहुंचने के लिए गांव के अंदरूनी रास्ते से बस ले जा रहा था। इस दौरान अचानक सामने से एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आई। टक्कर से बचने के लिए चालक ने बस को अचानक मोड़ा, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई।

एसईसीएल में 49वीं त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न'

हरिभूमि न्यूजराजनगर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) बिलासपुर में 8 अगस्त को खान सुरक्षा महानिदेशालय, पश्चिमी अंचल नागपुर एवं उसके रायगढ़ क्षेत्र, बिलासपुर क्षेत्र-1 एवं क्षेत्र-2, तथा उत्तरी अंचल गाजियाबाद एवं उसके जबलपुर क्षेत्र के तत्वावधान में 49वीं त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में एसईसीएल शीर्ष प्रबंधन से निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास और निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं एरिया सेफ्टी ऑफिसर उपस्थित रहे। खान सुरक्षा महानिदेशालय से उप महानिदेशक, पश्चिमी अंचल, नागपुर रामावतार मीना, उप महानिदेशक, उत्तरी अंचल, गाजियाबाद नीरज कुमार, निदेशक खान सुरक्षा, रायगढ़ क्षेत्र बी. बी. सटीयार, निदेशक खनन, पश्चिमी अंचल, नागपुर आफताब अहमद, निदेशक खान सुरक्षा, बिलासपुर क्षेत्र एम. के. सिन्हा, निदेशक खान सुरक्षा, बिलासपुर क्षेत्र आर. के. सिंह, निदेशक विद्युत, पश्चिमी अंचल, नागपुर टी. श्रीनिवास, निदेशक विद्युत, पश्चिमी अंचल, नागपुर आनंद अग्रवाल, निदेशक विद्युत, उत्तरी अंचल, गाजियाबाद बी. बेहेरा, निदेशक यांत्रिकी, पश्चिमी अंचल, नागपुर पंकज जैन, निदेशक यांत्रिकी, पश्चिमी अंचल, नागपुर रूपेश कुमार श्रीवास्तव, निदेशक खान सुरक्षा, रायगढ़ क्षेत्र एस. चिर्रा, निदेशक खान सुरक्षा, जबलपुर क्षेत्र शेख गुलाब (वीसी द्वारा), उप-निदेशक विद्युत, पश्चिमी अंचल, नागपुर गौरव लढहा, उप-निदेशक यांत्रिकी, पश्चिमी अंचल, नागपुर विजय एच. पाटील तथा उप-निदेशक यांत्रिकी, उत्तरी अंचल, गाजियाबाद उमेश कुमार साहू शामिल हुए। श्रम संघों से आनंद मिश्रा (एचएमएस), संजय सिंह (बीएमएस), बी. धर्मा राव (एटक), कमलेश शर्मा (एसईकेएमसी), इंद्रदेव चौहान (सीटू) और जी.एस. प्रसाद (सीएमओएआई) ने प्रतिनिधित्व किया। इस बार पहली बार ठेकेदार वर्कर्स के प्रतिनिधियों को भी बैठक में शामिल किया गया ताकि उन्हें भी खदान में सुरक्षा उपायों के बेहतर अनुपालन के प्रति जागरूक किया जा सके। बैठक के प्रारंभ में प्रकाश राय, महाप्रबंधक (खासुब)/विभागाध्यक्ष और डी. एम. बोबड़े, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, भटगांव क्षेत्र ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद कॉरपोरेट गीत प्रस्तुत किया गया और दिवंगत श्रमवीरों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने उपस्थित सभी सदस्यों को सुरक्षा शपथ दिलाई। छह घंटे से अधिक चली इस मैराथन बैठक में खान सुरक्षा से जुड़े विभिन्न आंकड़ों और कंपनी के सुरक्षा प्रयासों पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत चर्चा की गई। कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के अनुपालन, नवीनतम सुरक्षा तकनीकों और डिजिटाइजेशन के उपयोग, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एसईसीएल प्रबंधन ने कहा कि खान सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा प्रणाली को और दुरुस्त बनाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं वैज्ञानिक अध्ययन के अनुशंसाओं के अनुरूप कार्य प्रणाली लागू करने, सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का प्रभावी क्रियान्वयन करने तथा प्रशिक्षण व्यवस्था को और सशक्त बनाने के लिए विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किए गए।

जिलाधीश का आदेश दरकिनार, आज भी सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी

संबंधित जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी, दुर्घटना का कारण बन रहे जानवर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

नगर की सड़कों पर घूमते आवारा मवेशी वाहन चालकों व राहगीरों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। यह समस्या नगर के मुख्य चौक से लेकर सडको पर नजर आते है। बरसात शुरू होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी मवेशियों का जमावड़ा बढ़ गया है। सबसे अधिक नगर के बनिया टोला केशवाही तिराहा बस स्टैंड बस स्टैंड के आगे मुखर्जी चौक निगवानी रोड आजाद चौक गांधी चौक स्टेशन चौक सब्जी मंडी रोड रेस्ट हाउस रोड विकास नगर कदम टोला लहसुई कैंप गोविंदा कालरी मे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पशुओं के स्वच्छंद विचरण से आवागमन बाधित होने के साथ राहगीरों को आने-जाने में जानवरों का भय बना रहता है। वर्तमान में बारिश का मौसम शुरू हो जाने से किसानों ने खेती किसानी का काम भी शुरू हो गया है। आवारा मवेशी खेतों में जाकर फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

कागजों तक सीमित निर्देश

विगत दिनों कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा समयावधि की समीक्षा बैठक मे सड़कों से आवारा मवेशियों के विचरण पर निर्देश देते हुए नगर पालिका नगर परिषद ग्राम पंचायतों को साफ तौर पर कहा गया है कि आवारा मवेशियों को सड़क से हटाने की कार्यवाही की जाये उन्हें सुरक्षित गौशाला मे पहुंचाते हुए नागरिकों को हो रही परेशानी एवं हाइवे पर मवेशियों की वजह से हो रहे दुर्घटना को कम किया जा सके, लेकिन यह आदेश महज कागजों तक ही सीमित होकर रह गया है। कलेक्टर के निर्देश जारी करने के बावजूद भी कोतमा नगर के प्रमुख मार्गों एवं हाइवे सड़कों पर खुलेआम छुट्टा आवारा मवेशी विचरण करते नजर आ रहे हैं। कलेक्टर के निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है।

सड़कों पर रहता जमघट

सुबह से लेकर देर रात तक आवारा मवेशी सड़कों पर डटे रहते हैं इन्हें सड़क से भागने की कोशिश में ही दुर्घटनाएं घट जाती हैं। सबसे ज्यादा परेशानी साप्ताहिक बाजार के दिन होती है जब यह आवारा पशु बाजार में घुसकर अब व्यवस्था उत्पन्न करते हैं और इन्हें भागने की कोशिश में कई लोग घायल हो जाते हैं। रात्रि में सड़क पर बैठे जानवरों से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मवेशियों के कारण लोग हाईवे या नगर की सड़कों में ठीक से चल नहीं सकते। नगर के चौक चौराहा व गलियों में आवारा मवेशियों का डेरा कभी ना खत्म होने वाली समस्या बन गई है ।

नदारद हुआ हांका गैंग

नगर पालिका के द्वारा पूर्व में हांका गैंग एवं पशुओं को ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा की गई थी लेकिन वर्तमान में इनका कहीं आता-पता ही नहीं है। ना तो उनके द्वारा सड़कों पर जमघट लगाए एवं सड़कों पर स्वच्छंद रूप से विचरण कर रहे आवारा मवेशियों को पकड़वाने की कार्यवाही की जा रही है। नगर में वैसे तो हर समय आवारा मवेशी का जमघट लगा रहता है लेकिन बरसात में यह ज्यादा ही देखने को मिलते हैं। नगर की सड़कों पर आवारा मवेशियों का कब्जा होने के पीछे बहुत हद तक पशु मालिक भी जिम्मेदार हैं। मवेशियों से हित साधने के बाद इन्हें सड़कों पर आवारा घूमने के लिए इस तरह छोड़ दिया जाता है जैसे मवेशियों से उनका कोई नाता न हो। दुर्घटना में मवेशियों की मौत के बाद भी मुआवजे के लिए जानवरों पर दावा करते हैं।

प्रतिदिन होती है मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 अनूपपुर से मनेद्रगढ़ जाने वाले मार्ग में खुलेआम आवारा मवेशियों का जमघाट सड़कों पर लगा रहता है जिसके कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रात्रि के समय तो सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को नजर ही नहीं आते हैं जिसके कारण प्रतिदिन सड़क पर बैठे आवारा मवेशी दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं यहां तक की वाहन की ठोकर लगने के कारण प्रतिदिन कई मवेशियों की मौत भी हो रही हैं।

जिला मुख्यालय मे दो दिन मे तीन पशुओं की मौत

पर्व के दौरान दैत्याकार बल्कर वाहनों ने दो दिन मे तीन मूक पशुओं को मौत के घाट उतार दिया वही घटना के बाद वह फरार भी हो गये। यदि जिलाधीश के निर्देश के तहत पशुओं की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा कर दी जाती तो ऐसी घटना नही होती, लेकिन मनमानी पर उतारू नगर पालिका के कारण इसका दंश मूक पशुओं को जान गवांकर चुकाना पड रहा है।

देवी-देवताओं को कजलियां अर्पित कर बड़ों का लिया आशीर्वाद

धूमधाम से मनाया गया कजलियां का पर्व

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को कजलियां का पव परंपरा अनुसार मनाया गया। घरों में बोए गए जवारे को लोक गीत के साथ महिलाएं, पुरुष, बच्चे तालाबों में विसर्जन करने पहुंचे। पर्व के दौरान विभिन्न देवालयों में भीड़ देखी गई। मंदिरों में देवी-देवताओं को कजलियां अर्पित करने के बाद परिचितों के यहां पहुंचकर कजलियां भेंट कर एक दूसरे से गले मिले एवं बड़ो का आर्शीवाद लिया। यह क्रम देर रात तक चलता रहा। लोगों ने कजलियों के माध्यम से बुजुर्ग व अपने से बड़ों का आर्शीवाद लिया, वहीं अनेक स्थानों पर शैला नृत्य का आयोजन भी किया गया। नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों के मठ मंदिर तालाब, नदी घाट सहित अन्य सरोवर व नदियों में कजलियों का विसर्जन करने लोग पहुंचे। जिला मुख्यालय के अलावा कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, भालूमाड़ा, जमुना कालरी, निगवानी, बदरा, जैतहरी, वेंकटनगर, राजेंद्रग्राम, अमरकंटक, देवहरा आदि क्षेत्रों में भी कजलियां का पर्व आपसी भाईचारा व हर्षोल्लास से मनाया गया। सोशल मीडिया पर लोगों ने एक दूसरे को संदेश भेज कर बधाइयां दी। गांव में ग्रामीणों ने कजलियों का महापर्व धूमधाम के साथ मनाया। कजलियां का पूजन कर उनका विसर्जन किया गया। इस पर्व का किसानों मे विशेष महत्व है। किसान पर्व के जरिए फसल प्राप्त होने की कामना कर भगवान का स्मरण व पूजन कर आशीर्वाद लेते है। कजलियां पर्व पर महिलाओं ने घरों में बोई गई कजलियां की पूजा की। शाम होते ही महिलाएं घरों से टोकरियों में कजलियां लेकर निकलीं। गीत व पूजन के बाद महिलाओं ने नगर के शिवसागर तालाब बस स्टैंड तालाब एवं केरहा नाला व अन्य तालाब में कजलियां विसर्जित की। इसके बाद एक दूसरे को कजलियां देकर पर्व की बधाईयां दी गईं। छोटे-छोटे बच्चों में ज्यादा उत्साह देखने को मिला। शाम होते ही टोली बनाकर नगर की गलियों में रुमाल में कजलियां लेकर एक दूसरे से मिलने एवं बड़ों का आशीर्वाद लेने घूमते नजर आए वही बड़ों ने भी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें उपहार स्वरू प टाफी या नगद राशि भेंट की। बारिश का मौसम होने के कारण तालाबों एवं नदियों में जलस्तर ज्यादा है कोई दुर्घटना घटित न हो इसको मद्देनजर रखते हुए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस प्रशासन के द्वारा तालाब एवं जलाशयों में पुलिस की ड्यूटी लगाई हुई थी।

अमरकंटक में सड़क के बीच खड़े जानलेवा विद्युत पोल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक के मुख्य मार्ग पर पुलिस थाना और पेट्रोल पंप के सामने स्थित तीन विद्युत पोल वर्षों से सड़क के बीच खड़े हैं और गंभीर सड़क दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं। ये पोल विगत 7द8 वर्षों से इसी स्थिति में हैं, लेकिन आज तक प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं गया है। यह मार्ग छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला प्रमुख स्टेट हाईवे है, जिस पर प्रतिदिन सैकड़ों पर्यटक और तीर्थयात्री आवागमन करते हैं।

सड़क निर्माण अधूरा, खतरा बरकरार

जानकारी के अनुसार, करीब 7-8 वर्ष पूर्व नगर परिषद अमरकंटक द्वारा हुडको कंपनी के वित्तीय सहयोग से लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया था परंतु, दुर्भाग्यवश कुछ भाग आज तक अधूरा पड़ा है। इसी अधूरे कार्य के कारण ये विद्युत पोल आज भी सड़क के बीचोंबीच खड़े हैं, जो किसी बड़े हादसे की आशंका को जन्म देते हैं। स्थानीय निवासी और व्यापारी वर्ग इस स्थिति को लेकर लंबे समय से चिंता जता रहे हैं। न सिर्फ अमरकंटक के नागरिक, बल्कि यहां आने वाले पर्यटक भी इस जानलेवा स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। बरसात या रात के समय इन पोलों को देख पाना मुश्किल होता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

प्रशासन से जनहित में अपील

स्थानीय जनता ने प्रशासन से मांग की है कि इन विद्युत पोलों को शीघ्रता से हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही, सड़क निर्माण कार्य को पुनः शुरू कर उसे पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रशासन की तत्परता से न केवल दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है, बल्कि अमरकंटक की छवि भी सुरक्षित रह सकती है।

स्वच्छ एवं निर्मल मां नर्मदा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

अमरकंटक में नर्मदा समग्र द्वारा हरित फलदार पौधा रोपण एवं कलश पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मां नर्मदा के स्वच्छ एवं निर्मल प्रवाह को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जल कलश को रक्षा सूत्र बांधकर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की गई और उनके संरक्षण का संकल्प व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी लवलीन बाबा जी ने कहा कि "मां नर्मदा के लिए हमारा सम्पूर्ण जीवन समर्पित होना चाहिए। उनके निर्मल एवं अविरल प्रवाह के लिए वृक्षारोपण और संरक्षण हमारा परम कर्तव्य है।" इस संकल्प के माध्यम से मां नर्मदा की पवित्रता, अविरलता और संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जनजागरण के माध्यम से ही मां नर्मदा का प्रवाह स्वच्छ और निर्मल बनाए रखा जा सकता है।